SunRise University
Approved by Govt. of Rajasthan vide Sunrise University Act, 2011
Recognized by UGC Act, 1956 u/s 2 (f)

M.A. in Hindi

1st Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
MAH101	Aadhunik kavya	40	60	100
MAH102	Sahitya shastra (Bhartiya Tatha Pashchatya)	40	60	100
MAH103	Hindi Gadya (Upanyas & Kahani)	40	60	100
Total		**120**	**180**	**300**

2nd Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
MAH201	Madhyakalin Kavya	40	60	100
MAH202	Hindi Gadya (Gadya vidhayen)	40	60	100
MAH203	Apbhranse Bhasa aur Sahitya	40	60	100
Total		**120**	**180**	**300**

3rd Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
MAH301	Hindi Gadhya (Natak, Nibandh Evam Alochana)	40	60	100
MAH302	Bhasha Vigyan	40	60	100
MAH303	Vst. Sah. Kar.: Tulsi Das	40	60	100
Total		**120**	**180**	**300**

4th Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
MAH401	Prachin Evam Nirgun Kavya	40	60	100
MAH402	Hindi Sahitya Ka Itihas	40	60	100
MAH403	Lok Sahitya	40	60	100
Total		**120**	**180**	**300**

प्रथम प्र–रु39यन पत्र –ंउचय आधुनिक काव्य PAPER CODE : MAH1O1
समय : 3घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य पुस्तकें :
1. कामायनी : जय–रु39यांकर प्रसाद –ंउचय(श्रद्धा, लज्जा तथा आनन्द सर्ग)
2. राग–ंउचयविराग : सम्पादक डॉ. रामविलास –रु39यर्मा, लोक भारती प्रका–रु39यान,

SunRise University

इलाहाबाद (राम की —रु39याक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता —रु39यी—ुनवजर्याक कविताएँ)
3. आंगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ (असाध्य वीणा कविता)
4. चाँद का मुँह टे—सजया है : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ
(अंधेरे में —रु39यी—ुनवजर्याक कविता)
5. कुआनो नदी : सर्वे—रु39यवरदयाल सक्सेना राजकमल प्रका—रु39यान, दिल्ली
(कुआनो नदी —रु39यी—ुनवजर्याक कविता)
6. नाटक जारी है। —रु39यी—ुनवजर्याक कविता —ंउचय लीलाधर जगूडी।
सहायक ग्रन्थ :
☐ कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ. नगेन्द्र
☐ कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
☐ कामायनी में काव्य, संस्कृति और द—रु39यर्षन : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
☐ निराला की साहित्य साधना : डॉ. रामविलास —रु39यार्मा
☐ निराला : आत्महंत आस्था : दूधनाथ सिंह
☐ अज्ञेय : वि—रु39यवनाथ तिवारी

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत
☐ लम्बी कविताओं का ि—रु39याल्प विधान : नरेन्द्र मोहन
☐ मुक्तिबोध : अ—रु39याोक चक्रधर
☐ सर्वे—रु39यवर का काव्य : डॉ. कृ—ुनवजयणदत्त पालीवाल
☐ सर्वे—रु39यवर दयाल सक्सेना : व्यक्ति और साहित्य : डॉ. कल्पना अग्रवाल, चन्द्रलोक

प्रका—रु39यान, कानपुर

PAPER : II —ंउचयमध्यकालीन काव्य PAPER CODE:MAH1O2
समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60
पाठ्यपुस्तकें :
1. भ्रमरगीत सार : सम्पादक रामचन्द्र षुक्ल
(पद संख्या 101 से 160 तक कुल 60 पद)
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर (अन्तिम पचास पद)
3. बिहारी सार्धषती : डॉ. ओमप्रकाष, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
4. घनानन्द कवित्त : आचार्य विष्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाषन (प्रारम्भ के 50 पद)
5. मीरा मुक्तावली : संपादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा, आगरा
(पद संख्या 26 से 75)
6. दीवान—ंउचयए—ंउचयगालिब : संपादक अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली
(छंद संख्या 21, 33, 79, 86, 112, 116, 128, 149, 161, 163, 179, 209, 220 और 230)

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत

5 द्य च्ंहम
सहायक ग्रन्थ
1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ. षंकरदेव अवतरे
2. सूरदास : ब्रजेष्वर वर्मा
3. अ—ुनवजयटछाप और वल्लभ सम्प्रदाय : डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
4. सूर की काव्य कला : डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली।
5. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र षुक्ल, नगरी प्रचारिणी सभा।
7. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथप्रसाद मिश्र, वाराणसी।
8. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद।
9. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ. मनोहरलाल गौड, नागरी प्रचारिणी सभा, काषी।
10. आनन्द घन : डॉ. रामदेव षुक्ल, वाणी प्रकाषन, दरियागंज, नई दिल्ली।

Sunrise University

PAPER : III साहित्य –रु39याास्त्र (भारतीय तथा पा–रु39यचात्य) PAPER CODE: 1MAHO3
समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60
(क) साहित्य की परिभा–ुनवजयाा और उसके भेद–ंउचयप्रभेद, साहित्य की प्रमुख
विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप की विवेचना –ंउचय प्रबन्धकाव्य
(महाकाव्य, खण्डकाव्य) मुक्तक काव्य (गीति प्रगीति काव्य)

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत
उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखा चित्र,
संस्मरण, रिपोर्ताज, साहित्य का अन्य अनुषासनों से संबंध, काव्य
रचना के तत्व।
(ख) भारतीय काव्य षास्त्र का इतिहास एवं काव्य षास्त्र के विविध
सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।
भारतीय एवं पाष्चात्य काव्य सिद्धान्तों की वर्तमान में प्रासंगिकता।
(ग) पाष्चात्य काव्य षास्त्र –ंउचय अरस्तु, लौंजाइन्स, इलियट, सार्त्र, मार्क्स
और लुकाच के सिद्धान्त, आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।
(घ) आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)
(1) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।
(2) हिन्दी का आलोचना षास्त्र –ंउचय पाठालोचन, सैद्धान्तिक,
ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।
(ड) हिन्दी के प्रमुख आलोचक –ंउचय आचार्य रामचन्द्र षुक्ल, हजारी
प्रसाद द्विवेदी,
डॉ. रामविलास षर्मा, डॉ. नगेन्द्र, आचार्य नंद दुलारे
वाजपेयी, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।
सहायक ग्रन्थ :
1. साहित्यलोचन : ष्यामसुन्दर दास
2. काव्य षास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्य षास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यषास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत
5. पाष्चात्य काव्य षास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ षर्मा
6. पाष्चात्य काव्य षास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. पाष्चात्य काव्य षास्त्र : षांतिस्वरूप गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ. भागीरथ मिश्र
9. पाष्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. षास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्य षास्त्र : सत्यदेव चौधरी
12. काव्य षास्त्र : भारतीय और पाष्चात्य काव्य सिद्धान्तों का विवेचन आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भारतीय साहित्य मन्दिर, फव्वारा दिल्ली।
13. लुकाच का यथार्थ दर्षन : डॉ. राकेष कुमार, षुभदा
प्रकाषन, षाहदरा, दिल्ली –ंउचय 32

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत

PAPER:I –ंउचय हिन्दी गद्य(उपन्यास एव कहानी) PAPER CODE:MAH2O1
समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60
पाठ्यपुस्तकें :
1. गोदान : प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस 2/43, दरियागंज, दिल्ली।
2. अन्तिम अरण्य, निर्मल वर्मा, ज्ञानपीठ, दिल्ली।
3. स्मृति लेखा : अज्ञेय, नेषनल, पब्लिषिंग हाउस, नई दिल्ली
(भारत कोकिला : सरोजिनी नायडू और कवि वत्सला होमवती
देवी षीर्षक पाठों को छोडकर)
4. निर्धारित आधुनिक कहानियां :
जिन्दगी और जोंक –ंउचय अमरकान्त
बादलों के घेरे –ंउचय कृ–ुनवजयणा सोवती
खोई हुई दिषाएँ –ंउचय कमलेष्वर
परिन्दे –ंउचय निर्मल वर्मा

Sunrise University

तीसरी कसम –ंउचय फणीष्वरनाथ रेणु
चीफ की दावत –ंउचय भी–ुनवजयम साहनी
यही सच है –ंउचय मन्नू भण्डारी
एक और जिन्दगी –ंउचय मोहन राकेष
टूटना –ंउचय राजेन्द्र यादव

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत
नन्हो –ंउचय षिवप्रसाद सिंह
प्रेत मुक्ति –ंउचय षैले–ुनवजया मटियानी
किराये की कोख –ंउचय आलमषाह खान
पार्टीषन –ंउचय स्वयं प्रकाषन
छप्पन तोले का करधन –ंउचय उदयप्रकाष

सहायक ग्रंथ
1. प्रेमचन्द्र के उपन्यासों का षिल्प विधान : कमलकिषोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भी–ुनवजयम साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियां, डॉ. लक्ष्मीसागर वार्गेय
5. हिन्दी उपन्यास : षिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी की कथा साहित्य, गुलाबराव हाडे
7. नई कहानी : संवेदना और षिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ. रामदरष मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाषन
11. प्रतिनिधि कहानियां : स्वयंप्रकाष
12. तिरिछ : उदयप्रकाष
13. किराये की कोख : आलमषाह खान
14. कहानी : नयी कहानी : डॉ. नामवरसिंह
15. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर, नेषनल पब्लिषिंग
हाउस, दिल्ली

PAPER – II: Hindi gadya(gadya vidhayen) paper code:MAH2O2
(1) हिन्दी नाटक और रंग मंच

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60
पाठ्य ग्रंथ :
1. नीलदेवी –ंउचय भारतेन्दु हरिषचन्द्र
2. अजात षत्रु –ंउचय जय षंकर प्रसाद
3. अंधा युग –ंउचय धर्मवीर भारती
4. आठवां सर्ग –ंउचय सुरेन्द्र वर्मा
सूचना : नाट्यालोचन के सिद्धान्त और नाटक साहित्य का इतिहास वि–ुनवजयायों पर भी
प्रष्न पूछें जायेगें, किन्तु प्रत्येक प्रष्न किसी न किसी उक्त इकाई से सम्बद्ध
होगा।
सहायक पुस्तकें :
1. भरत नाट्य षास्त्र –ंउचय चौखम्बा सीरीज, बनारस अथवा कोई भी
अनुवाद
2. दषरूपक, धनंजय –ंउचय चौखम्बा सीरीज, बनारस या हिन्दी अनुवाद
3. हिन्दी नाटक –ंउचय सिद्धान्त और विवेचना –ंउचय डॉ. गिरीष, ग्रन्थम,
रामबाग, कानपुर।
4. नाटक का उद्भव और विकास –ंउचय डॉ. दषरथ ओ–हजया।

अथवा

(2) हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास

SunRise University

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य पुस्तकें :
1. कलिकथा वाया बाईपास –ंउचय अलका सरावगी
2. बाणभट्ट की आत्मकथा –ंउचय हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. अनित्य –ंउचय मृदुला गर्ग
4. 'कथासतीसर' (चन्द्रकान्ता)
सहायक ग्रंथ :
1. हिन्दी उपन्यास : डॉ. सु–ुनवजयामा धवन, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली
2. साठोतरी हिन्दी उपन्यासों में युवा का स्वरूप : डॉ. विमला
सिंह, कला प्रकाषन, वाराणसी।
3. अधूरे साक्षात्कार : नेमीचन्द जैन

अथवा
(3) नया काव्य

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य पुस्तकें :
1. श्रम का सूरज –ंउचय केदारनाथ अग्रवाल
2. षिलापंख चमकीले –ंउचय गिरिजा कुमार माथुर
3. प्रतिनिधि कविताऐं –ंउचय केदारनाथ सिंह
4. सूरत निरत –ंउचय ऋतुराज
सहायक ग्रंथ :
1. षुद्ध कविता की खोज : रामधारी सिंह दिनकर
2. राजस्थान का हिन्दी साहित्य : साहित्य एकेडमी, उदयपुर
3. नयी कविताऐं : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी

अथवा

(4) हिन्दी कहानी का उद्धव और विकास

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य पुस्तकें :
1. हिन्दी कहानी–ंउचयसंग्रह : संपादक भी–ुनवजयम साहनी, साहित्य एकेडमी
2. तेईस हिन्दी कहानियां : जैनेन्द्र
सहायक ग्रंथ :
1. हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
2. नयी कहानी की भूमिका : कमलेष्वर
3. कहानी : नयी कहानी : डॉ. नामवरसिंह
4. हिन्दी कहानी का उद्धव और विकास : डॉ. सुरेष सिन्हा
5. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

अथवा
(5) लोक –ंउचय साहित्य

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
1. लोक साहित्य के सामान्य सिद्धान्त –ंउचय लोक साहित्य का अर्थ, परिभा–ुनवजयाा, तत्व, प्रकार, क्षेत्र, महत्व, लोक और साहित्य का सम्बन्ध, लोक साहित्य और षि–ुनवजयट साहित्य, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य और अन्य वि–ुनवजयायों से सम्बन्ध। लोक साहित्य कला या विज्ञान।
2. लोक गीत –ंउचय अर्थ, परिभा–ुनवजयाा, महत्व, वर्गीकरण, तत्व, लोकगीत और साहित्यिक गीत, प्रमुख लोकगीत –ंउचय राजस्थान और ब्रज प्रदेष से

Sunrise University

सम्बन्धित, लोकगीतों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति,
रचना–ंउचयप्रक्रिया, षिल्प विधान।
3. लोकगाथा और लोककथा –ंउचयअर्थ, परिभा–ुनवजयाा, तत्व, महत्व, प्रकार,
प्रमुख लोकगाथाऐं व लोक कथाऐं, राजस्थान और ब्रज प्रदेष
से सम्बन्धित, लोकगाथाओं व लोककथाओं में अभिव्यक्त
जीवन और संस्कृति, रचना प्रक्रिया, षिल्प विधान।
4. लोक नाट्य –ंउचय अर्थ, परिभा–ुनवजयाा, महत्व, प्रकार, तत्व, राजस्थान और
ब्रज प्रदेष से सम्बन्धित प्रमुख लोकनाट्य लोक रंगमंच, रंग
विधान, लोक नाट्यों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति,
षिल्प–ंउचयविधान।
5. (क) लोकोक्ति, मुहावरे और पहेलियां –ंउचय अर्थ, परिभा–ुनवजयाा, महत्व, प्रकार, अभिव्यक्त लोक जीवन और संस्कृति।
(ख) लोक साहित्य के संकलन का कार्य, प्रविधि और कठिनाइयां, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याऐं, प्रमुख लोक साहित्य सेवी और उनकी देन।
सहायक ग्रंथ :
1. लोक साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन –ंउचय डॉ. श्रीराम षर्मा
2. लोक साहित्य की भूमिका –ंउचय डॉ. कृ–ुनवजयणदेव उपाध्याय
3. राजस्थानी लोक साहित्य –ंउचय श्री नानूराम संस्कर्ता
4. ब्रज और बुन्देली लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ.
षालिगराम गुप्त।

अथवा

(6) हिन्दी पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
1. पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप :
(1) पत्रकारिता का अर्थ, परिभा–ुनवजयाा, क्षेत्र, महत्व और प्रभाव।
(2) पत्रकारिता और साहित्य, साहित्य सृजन के विविध आंदोलनों के
विकास में
पत्र–ंउचयपत्रिकाओं का योगदान। पत्रकारिता और रचना–ंउचयधार्मिता।
पत्रकार के गुण
और दो–ुनवजया, कर्तव्य, आधुनिक युग में पत्रकारिता का महत्व।
(3) हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
2. प्रेस कानून :
(1) अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, लोकतांत्रिक परम्पराऐं, मौलिक
अधिकार और साहित्य
से सम्बद्धता, स्वतन्त्र प्रेस की अवधारणा।
(2) प्रमुख प्रेस कानून, मानहानि, न्यायालय की अवमानना,
कॉपीराइट एक्ट 1957,

प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, श्रम जीवी पत्रकार कानून
1955,
प्रेस कौंसिल अधिनियम 1973, औषधि और चमत्कारिक उपचार
(क्षेत्रीय विधान) अधिनियम 1954, भारतीय सरकारी गोपनीयता
कानून 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाषन कानून,
1956, संसदीय विषे–ुनवजयााधिकार।
(3) समाचार –ंउचयलेखन एवं प्रस्तुतीकरण :
समाचार एवं उनके विविध प्रकार, समाचार संरचना, संवाददाता,
उनके कर्तव्य एवं दायित्व, समाचार प्रे–ुनवजयाण –ंउचय विविध
प्रणालियां।
(4) समाचार संपादन
संपादक, संपादकीय विभाग की संरचना, समाचार–ंउचयचयन, षी–ुनवजर्याक,
लेखन, पृ–ुनवजयठसज्जा, स्तम्भ लेखन, पुस्तक–ंउचयसमीक्षा, फीचर–ंउचयलेखन।
(5) दृ–ुनवजयय–ंउचयश्रव्य संचार–ंउचयमाध्यम :
जन संचार के प्रमुख माध्यम, भारत में आका–रु39यावाणी व

Sunrise University

दूरदर्षन का उद्भव और विकास, महत्व एवं प्रभाव।
सहायक ग्रन्थ :
1. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम –ंउचय डॉ. वेदप्रताप वैदिक, नेषनल पब्लिषिंग हाउस, दिल्ली।
2. हिन्दी पत्रकारिता –ंउचय डॉ. कृ–ुनवजयणबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाषन, दिल्ली।
3. आकाषवाणी –ंउचय राम बिहारी विष्वकर्मा, प्रकाषन विभाग, दिल्ली।
4. फीचर–ंउचयलेखन –ंउचय प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाषन विभाग, दिल्ली।

अथवा
(7) दलित साहित्य

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य पुस्तकें :
1. सदियों का संताप –ंउचय ओम प्रकाष वाल्मीकि
2. अछूत–ंउचयदयापवार
3. दलित साहित्य का सौन्दर्य षास्त्र –ंउचयषरण कुमार लिबाले
4. दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियां मात्र)
सहायक ग्रंथ :
1. दलित साहित्य का सौन्दर्य षास्त्र –ंउचय ओम प्रकाष वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी –ंउचय सं. रमणिक गुप्ता (पत्रिका) (दलित अंक)
3. दलित साहित्य –ंउचय अंक 2002, अंक 2003, सं. जयप्रकाष कर्दम
4. हरिजन से दलित –ंउचय सं. राजकिषोर, वाणी प्रकाषन
5. आधुनिकता के आइने में दलित –ंउचय सं. अभय कुमार दुबे
6. वसुधा (पत्रिका) –ंउचय 58वां अंक, मध्य प्रदेष प्रगतिषील लेखक संघ
7. दलित और अष्वेत साहित्य –ंउचय कुछ विचार, सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, षिमला

अथवा

(8) स्त्री–ंउचयलेखन और विमर्ष

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य पुस्तकें :
1. एक जमीन अपनी, चित्रा मुद्गल (उपन्यास)
2. संग सार –ंउचय नासिरा षर्मा (कहानी संग्रह)
3. कस्तूरी कुंडल बसे –ंउचय मैत्रेयी पु–ुनवजयपा (आत्मकथा)
4. स्त्री उपनिवेष –ंउचय प्रभा खेतान (निबंध)
सहायक ग्रंथ :
1. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव
2. औरत, अस्मिता और संवेदन, अरविन्द जैन
3. दुर्ग द्वार पर दस्तक, कात्यायनी
4. भारतीय समाज में नारी, नीरा देसाई

अथवा
(9) अनुदित साहित्य
समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य पुस्तकें :
1. चित्र प्रिया –ंउचय अखिलन, (ज्ञानपीठ प्रकाषन)
2. निषीथ –ंउचय उमाषंकर जोषी
3. समकालीन मराठी कहानियां, डॉ. चन्द्रकांत वांदिवडेकर

Sunrise University

PAPER – III: **अपभ्रं□ा भाशा और साहित्य** paper code:MAH2O2

इकाई 1. अपभ्रंश भाषा का विकास तथा उसकी विशेषताएँ , अपभ्रंश, अवटअट्ट और पुरानी हिन्दी

इकाई 2. अपभ्रंश साहित्य का विकास

इकाई 3. अपभ्रंश साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई 4. निर्धारित पाठ–ंउचय

क. अपभ्रंश काव्य सौरभ–ंउचय सं. कमल चन्द सोगानी,

(पडम चरिड–ंउचय स्सयंभू)

पाठ–ंउचय3,27 / 14 से 28 / 2 तक

पाठ–ंउचय4,76 / 3 से 77 / 4 तक

ख. हिन्दी काव्यधारा –ंउचय सं. राहुल सांस्कृत्यायन

(प्रोषित पत्रिका का संदेश) आरम्भिक 10 छन्द

ग. हिन्दी काव्यधारा –ंउचय सं. राहुल सांस्कृत्यायन

(पाखण्ड खण्डन–ंउचय रामसिंह) कुल 17 दोहे

घ. कीर्तिलताः द्वितीय पल्लव

अनुशंसित ग्रन्थ–ंउचय

1. हिन्दी काव्यधारा : राहुल सांस्कृत्यायन
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगः डा0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन
3. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन : डा0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव
4. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड
5. प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव : डा0 रामसिंह तोमर, हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजमणि शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
7. अपभ्रंश और अवहट्ठ : एक अन्तर्यात्रा : शम्भुनाथ पाण्डेय
8. अपभ्रंश भाषा साहित्य की शोध–ंउचय प्रवृत्तियां : देवेन्द्र कुमार

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा के लिए पाँच प्रष्न–ंउचयपत्र होंगे। प्रत्येक प्रष्नपत्र
100 अंकों का होगा। प्रत्येक के लिए निर्धारित समय 3 घण्टे होगा।
प्रथम प्रष्न पत्र : हिन्दी गद्य –ंउचय 1 (नाटक, निबंध एवं
आलोचना)
द्वितीय प्रष्न पत्र : हिन्दी काव्य –ंउचय 1 (प्राचीन एवं निर्गुण
काव्य)
तृतीय प्रष्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रष्न पत्र : भा–ुनवजयाा विज्ञान
पंचम प्रष्न पत्र : विषि–ुनवजयट अध्ययन : कवि, साहित्यकार, भा–ुनवजयााएँ,
विधाएँ आदि।

(कोई एक)

SunRise University

Semester-III

PAPER : I हिन्दी गद्य(नाटक, निबंध एवं आलोचनाद्ध PAPER CODE: MAH3O1

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

पाठ्य पुस्तकें :

1. आधे अधूरे : मोहन राकेष, राधाकृ–ुनवजयण प्रकाषन
2. 'स्कन्दगुप्त' : जयषंकर प्रसाद
3. हयवदन (अनूदित नाटक) : गिरीष कर्नाड, राधाकृ–ुनवजयण प्रकाषन (अनुवाद ब. व. कान्त)
4. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिषचन्द्र
5. निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (बालकृ–ुनवजयण भट्ट), उत्साह (आचार्य रामचन्द्र षुल्क), देवदारू (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), उत्तराफाल्गुनी के आस–ंउचयपास (कुबेरनाथ राय) और ठिठुरता हुआ गणतंत्र (हरिषंकर परसाई)।
6. आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र षुक्ल), भारतीय साहित्य की प्राण–ंउचयषक्ति (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), छायावाद (आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी) और रस–ंउचयसिद्धान्त के विरूद्ध आक्षेप और उनका समाधान (डॉ. नगेन्द्र)।

सहायक ग्रंथ :

- ☐ मोहन राकेष के नाटक : जयदेव तनेजा
- ☐ नटरंग का पचासवाँ अंक : सम्पादक नेमीचन्द जैन
- ☐ आज के रंग नाटक : गिरीष रस्तोगी
- ☐ अंधेर नगरी : सं. गिरीष रस्तोगी, राजकमल प्रकाषन
- ☐ रंग दर्षन : नेमीचन्द जैन
- ☐ हिन्दी निबंध : उद्धव और विकास : डॉ. ओंकारनाथ षर्मा
- ☐ निबंध और निबंधकार : मोहनलाल जिज्ञासु
- ☐ श्रे–ुनवजयठ हिन्दी निबंधकार : डॉ. सुरेष गुप्ता
- ☐ आलोचना के आस्था : डॉ. नगेन्द्र
- ☐ आलोचना के आधार –ंउचय स्तम्भ : सम्पादक रामेष्वरलाल खण्डेलवाल और डॉ. सुरेष चन्द्र गुप्ता
- ☐ आलोचना और आलोचना : डॉ. बच्चनसिंह
- ☐ हिन्दी आलोचना : प्रकृति और परिवेष : डॉ. तारकनाथ बाली

PAPER: II –ंउचयप्राचीन एवं निर्गुण काव्य ; PAPER CODE: MAH3O2

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

पाठ्य पुस्तकें :

1. बीसलदेव राम : संपादक माता प्रसाद गुप्त
2. विद्यापति : डॉ. षिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाषन, इलाहाबाद (वंषी माधुरी, रूप–ंउचयवर्णन, बसन्त मिलन और विरह षी–ुनवजर्याक से संकलित कुल 36 पद)
3. जायसी ग्रंथावली : संपादक रामचन्द्र षुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा (पदमावत के सिंहलद्वीप) वर्णन खण्ड, बारहमासा खण्ड, षट्ऋतु वर्णन खण्ड एवं नागमती–ंउचयवियोग खण्ड)
4. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाषन (पद संख्या 163 से 202 तक –ंउचय कुल 40 पद)
5. संत काव्य : परषुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद (केवल नानक और दादू)

सहायक ग्रंथ :

- ☐ विद्यापति : डॉ. आनन्द प्रकाष दीक्षित
- ☐ विद्यापति : डॉ. षुभकार कपूर
- ☐ विद्यापति वाग्विलास : डॉ. गुणानन्द जुयाल, कुमार प्रकाषन, बरेली
- ☐ जायसी : विजयदेवनारायण साही
- ☐ पदमावत में काव्य, संस्कृति और दर्षन : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

- ☐ कबीर : विजेन्द्र स्नातक
- ☐ कबीर साहित्य की परख : गोविन्द त्रिगुणायत
- ☐ नानक वाणी : सम्पादक जयराम मिश्र, लोकभारती प्रकाषन
- ☐ राजस्थान का संत साहित्य : पुरू–ुनवजयोत्तम मेनारिया
- ☐ राजस्थानी भा–ुनवजयाा और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेष्वरी

SunRise University

PAPER : III –ंउचय भा–ुनवजयाा विज्ञान; PAPER CODE : MAH3O3
समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

सम्पूर्ण प्रष्नपत्र पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से एक
प्रष्न पूछा जायेगा।
प्रथम इकाई :–ंउचय
1. भा–ुनवजयाा : अर्थ, महत्व, विषे–ुनवजयाताऐं, परिवर्तन के कारण।
2. भा–ुनवजयाा के विविध रूप।
3. भा–ुनवजयाा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य षाखाओं से सम्बन्ध।
4. भा–ुनवजयाा अध्ययन के विभिन्न प्रकार, मूल अवधारणाऐं एवं सामान्य
परिचय :–ंउचय वर्णनात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक, भा–ुनवजयाा भूगोल।
5. भा–ुनवजयाा विज्ञान के विविध अंग –ंउचय मूल अवधारणा एवं सामान्य परिचय,
ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं षब्द विज्ञान।
द्वितीय इकाई :–ंउचय
1. भा–ुनवजयाा विज्ञान की भारतीय परम्परा, भा–ुनवजयाा विज्ञान की पाष्चात्य परम्परा,
हिन्दी एवं राजस्थानी सम्बन्धी भारतीय एवं विदेषी विद्वानों के
कार्य।
2. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिषाऐं।
3. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिषाऐं।
4. रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिषाऐं।
तृतीय इकाई :–ंउचय
1. भारत के विविध भा–ुनवजयाा परिवार –ंउचय आर्य, द्रविड, कोल एवं नाग।
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भा–ुनवजयााऐं –ंउचय वैदिक, संस्कृत, पालि,
प्राकृत, अपभ्रंष, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी।
3. आधुनिक भारतीय आर्य भा–ुनवजयााऐं :–ंउचय वर्गीकरण।
4. हिन्दी की उपभा–ुनवजयााऐं एवं बोलियाँ।
5. राजभा–ुनवजयाा हिन्दी।
6. हिन्दी की ध्वनियां, वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय।
चतुर्थ इकाई :–ंउचय
1. हिन्दी षब्द समूह : स्त्रोत एवं विकास।
2. हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विषे–ुनवजयाण, क्रिया विषे–ुनवजयाण एवं परसर्गों का
विकास।
3. राजस्थानी से अभिप्राय, राजस्थानी की प्रमुख विषे–ुनवजयाताऐं,
राजस्थान की प्रमुख
बोलियाँ –ंउचय–सजयूं–सजयाडी, हाडौती, मारवाडी, मेवाडी, मालवी,
षेखावाटी, बागडी, मेवाती, ब्रज।
पंचम इकाई :–ंउचय
1. लिपि की परिभा–ुनवजयाा।
2. लिपि और भा–ुनवजयाा का सम्बन्ध।
3. लिपि के विकास का इतिहास –ंउचय चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि लिपि, ब्राह्मी लिपि
तथा खरो–ुनवजयठी लिपि की विषे–ुनवजयाताऐं।
4. हिन्दी के मानकीकरण में देवनागरी लिपि का योगदान।
5. देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास।
6. देवनागरी लिपि की विषे–ुनवजयाताऐं।
सहायक ग्रंथ :
1. भा–ुनवजयाा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल,
इलाहबाद।
2. भा–ुनवजयाा विज्ञान : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3. भा–ुनवजयाा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ षर्मा, राधाकृ–ुनवजयण
प्रकाषन, दिल्ली।
4. हिन्दी भा–ुनवजयाा का इतिहास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी
एकेडमी।
5. हिन्दी भा–ुनवजयाा का उद्भव और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी।
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभा–ुनवजयााऐं : डॉ. हरदेव बाहरी।
7. भा–ुनवजयाा और भा–िुनवजयाकी : देवीषंकर द्विवेदी।

SunRise University

8. भा–ुनवजयाा विज्ञान और भा–ुनवजयाा षास्त्र : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
9. राजस्थानी भा–ुनवजयाा : डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर।
10. हिन्दी भा–ुनवजयाा का ऐतिहासिक व्याकरण : डॉ. माता बदल जायसवाल।
11. हिन्दी भा–ुनवजयाा और साहित्य : डॉ. भोलानाथ तिवारी।
12. भारत के प्राचीन भा–ुनवजयाा परिवार और हिन्दी : डॉ. रामविलास षर्मा।
13. भा–ुनवजयाा विज्ञान : संपादक डॉ. राजमल बोरा, मयूर पेपरबैक

Semester-IV

PAPER:I; उचय हिन्दी साहित्य का इतिहास PAPER CODE:MAH401

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

☐ इस प्रष्न पत्र में पाँच इकाइयाँ है। प्रत्येक इकाई से एक प्रष्न पूछा जायेगा।

इकाई क–उचय आदिकाल : हिन्दी साहित्य का आरम्भ, आदिकाल का नामकरण एवं प्रमाणिकता का प्रष्न, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की विभिन्न प्रवृतियां।

इकाई ख –उचय मध्यकाल : भक्ति आंदोलन : उदय के कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेषिक वैषि–ुनवजयट्य।

☐ हिन्दी संत काव्य –उचय वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, संत काव्य की विषे–ुनवजयाताऐं।

☐ हिन्दी सूफी काव्य –उचय वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य।

☐ हिन्दी कृ–ुनवजयण काव्य –उचय वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृ–ुनवजयण भक्ति षाखा के कवि और काव्य।

☐ हिन्दी राम काव्य –उचय वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति षाखा के कवि और काव्य।

☐ रीतिकाल –उचय नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृतियां (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध)।

इकाई ग –उचय आधुनिक काल का काव्य : 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल।

द्विवेदी युग –उचय महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएं –उचय छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

इकाई घ –उचय आधुनिक काल का गद्य साहित्य : उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबन्ध एवं अन्य विधाएँ।

इकाई ड –उचय हिन्दी में साहित्य इतिहास लेखन : परम्परा, समस्याऐं और परिदृष्य, साहित्य इतिहास का काल विभाजन। हिन्दी की प्रमुख साहित्यिक संस्थाऐं एवं पत्र–उचयपत्रिकाऐं, हिन्दी में अनुदित साहित्य।

सहायक ग्रंथ :

☐ हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र षुक्ल
☐ हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास : डॉ. नगेन्द्र
☐ आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. लक्ष्मीसागर व–ुनवजयर्णेय
☐ हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियां : डॉ षिव कुमार षर्मा
☐ हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
☐ हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
☐ हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
☐ हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
☐ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
☐ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

SunRise University

PAPER : II; ंउचय विषि–ुनवजयट अध्ययन (कोई ,d) PAPER CODE: 2MAHO5
समय : 3 घंटे (क) कवि, साहित्यकार पूर्णांक : 60

(1) तुलसीदास

पाठ्यग्रंथ :
1. रामचरित मानस : गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. विनय पत्रिका : सं. वियोगी हरि।
3. गीतावली : गीता प्रेस, गोरखपुर।
4. कवितावली : गीता प्रेस, गोरखपुर।
सहायक ग्रंथ :
1. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र षुक्ल।

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत

34 द्य च्ंहम
2. तुलसीदास और उनका युग : राजपति दीक्षित।
3. तुलसीदास : डॉ. माताप्रसाद गुप्त।
4. तुलसीदास : रासबिहारी षुक्ल।
5. तुलसीदास : चन्द्रबली पाण्डेय।
6. रामचरित मानस का काव्यषास्त्रीय अनुषीलन : डॉ. रामकुमार
पाण्डेय।
7. तुलसी–ंउचयदर्षन : बलदेव प्रसाद मिश्र।
8. तुलसी–ंउचयकाव्य–ंउचयमीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह।
9. विनयपत्रिका और गीतावली का मूल्यांकन : भूपालसिंह रावत।

ैनदतपेम न्दपअमतेपजलए ।सूंत

35 द्य च्ंहम

अथवा
(क) (2) सूरदास

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 60
पाठ्य ग्रंथ :
1. सूर पंचरत्न : सं. लाला भगवानदीन।
2. भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र षुक्ल।
3. साहित्य लहरी।
4. सूर सारावली।
सहायक ग्रंथ :
1. कृ–ुनवजयणकाव्य और सूरदास : डॉ. प्रेमषंकर
2. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र षुक्ल
3. सूर–ंउचयनिर्णय : प्रभुदयाल मीतल
4. सूर सौरभ : डॉ. मुंषीराम षर्मा
5. सूरदास की काव्य–ंउचयकला : डॉ. मनमोहन गौतम
6. सूर और उनका साहित्य : डॉ. हरवंषलाल षर्मा
7. सूरदास : डॉ. ब्रजेष्वर वर्मा
8. सूर साहित्य की भूमिका : डॉ. रामरतन भटनागर
9. सूरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. सूरदास : संपादक हरवंषलाल षर्मा

PAPER:I; **हिन्दी भाषा और व्याकरण** PAPER CODE:MAH403
इकाई 1. : क. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास,

SunRise University

हिन्दी नाम और उसके विभिन्न रूप–ंउचय हिंदवी,

हिन्दुस्तानी, रेख्ता ख दक्खिनी

ख. हिन्दी भाषा का आधुनिक स्वरूप –ंउचय जनभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा

इकाई 2. : क. देवनागरी लिपि और उसका विग्रस, देवनागरी लिपि का मानवीकरण।

ख. हिन्दी की मानक वर्णमाला एवं ध्वनियॉ

इकाई 3. : क. भाषा और व्याकरण का संबंध व्याकरण और भाषा विज्ञान

ख. भारत में व्याकरण का विकास एवं प्रमुख वैयाकरण –ंउचय पाणिनी, हेमचन्द, कामताप्रगुरू, किशोरी दास वाचपेयी

इकाई 4 : क. हिन्दी में शब्द निर्माण की प्रक्रिया और रूपो का विकास

1. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण
2. उपसर्ग और प्रत्यय
3. संधि और समास
4. तत्सम, तदभव, देशज, विदेशज शब्द

ख. वाक्य रचना और उसके विभिन्न आयाम

सहायक ग्रन्थ :–ंउचय

1. हिन्दी भाषा –ंउचय महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी शब्दानुशासन –ंउचय किशोरी दास वाजपेयी
3. हिन्दी की वर्तनी और शब्द विशेषण –ंउचय किशोरी दास वाजपेयी
4. अच्छी हिन्दी –ंउचय रामचन्द्र वर्मा
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास –ंउचय धीरेन्द्र वर्मा
6. हिन्दी व्याकरण –ंउचय कामताप्रसाद गुरू
7. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास –ंउचय उदयनारायण तिवारी
8. हिन्दी व्याकरण मीमांसा –ंउचय काशीराम वर्मा
9. हिन्दी भाषा की संरचना –ंउचय भोलानाथ तिवारी

SunRise University